



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 310] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 1, 2005/अग्रहायण 10, 1927  
 No. 310] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 2005/AGRAHAYANA 10, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 2005

निर्णायिक समीक्षा

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में निर्णायिक समीक्षा

सं. 39/1/1999-डीजीएडी.—चूंकि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। प्रारंभिक जांच परिणाम 6 अप्रैल, 2000 की अधिसूचना सं. 39/1/99-डीजीएडी के तहत प्रकाशित किए गए थे तथा संबद्ध वस्तु पर अनंतिम शुल्क 23-5-2000 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 76/2000-सी.शु. के तहत लगाया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 3-11-2000 को अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे और सीमा शुल्क द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 19-12-2000 की अधिसूचना सं. 147/2000 के तहत लगाया गया था।

2. और चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के घरेलू उद्योग अर्थात मै. दीपक नाइट्राइट लि. से एक आवेदन प्राप्त हुआ था जिसमें उन्होंने संबद्ध वस्तु पर उद्ग्रहीत पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा के लिए संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को आगे और 5 वर्ष की अवधि तक जारी रखने का अनुरोध किया था। घरेलू उद्योग की ओर से किए गए अनुरोध के आधार पर प्राधिकारी ने यह निर्धारित करने के लिए कि क्या शुल्क को समाप्त किए जाने से पाटन और क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना रहेगी। उपर्युक्तानुसार उक्त देशों के विरुद्ध लागू शुल्क के संबंध में पाटनरोधी निर्णायिक समीक्षा जांच शुरू करते हुए 2 दिसंबर, 2004 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे

भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया । दिनांक 19-12-2000 की अधिसूचना सं. 147/2000-सी.शु. द्वारा यथा प्रकाशित 23-5-2000 की अधिसूचना सं. 76/2000 के तहत अधिसूचित पाटनरोधी शुल्क को अवधि को अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार 4.7.2005 की अधिसूचना सं. 60/2005 के तहत 21-5-2006 तक बढ़ाया गया था ।

#### क. मामले की पृष्ठभूमि

3. भारत में घरेलू उत्पादकों द्वारा दीपक नाइट्राइट लि. तथा मै. पंजाब कैमिकल्स लि. द्वारा दायर आवेदन के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से सोडियम नाइट्राइट के आयातों के पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच की थी और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के निर्धारण के लिए पर 3 नवंबर, 2000 की अधिसूचना सं.39/1/99-डीजीएडी के तहत अपने अंतिम तिथि परिणाम अधिसूचित किए थे । प्राधिकारी के जांच परिणामों पर कार्रवाई करते हुए केंद्र राजकार ने 19.12.2000 की सी.शु. अधिसूचना सं. 147/2000 के तहत संबद्ध देश द्वारा हेतु वर्तमान जांच घरेलू उत्पादकों में से एक उत्पादक अर्थात् मै. दीपक नाइट्राइट लि. (पी एल) द्वारा दायर एक आवेदन के आधार पर 2/12/2004 को शुरू की गई है जिसका बाद में मै. पंजाब कैमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स लि. (पी सी पी एल) एवं मै. नेशनल एंड लाइजर्स लि. (एन एफ एल) द्वारा किया गया था ।

#### ख. प्रक्रिया

4. इस जांच के संबंध में निम्नान्तिकृत प्रक्रिया अपनाई गई है :-

- (i) समीक्षा शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना मांगने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के समरत ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा भारत में घरेलू उद्योग को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावली भेजी ।
- (ii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को इस अनुरोध के साथ जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित रामबद्ध के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें ।
- (iii) नियम 6(4) के अनुसार प्रादर्शक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थीं ।
- (iv) जांच 01.04.2003 से 31.3.2004 (जांच अवधि) तक की अवधि के लिए की गई थी । तथापि, क्षति संबंधी जांच 2000-01, 2001-2002, 2002-03 तथा जांच अवधि के बारे में की गई थी ।

(v) पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे जुटाने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था ;

(vi) सभी ज्ञात निर्यातकों तथा ब्यूरो आफ फेयर ट्रेड (बी ओ एफ टी), चीन सरकार को बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली (एम ई टी) भेजी गई थी । जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य पर चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया गया था । प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को इस आशय की सूचना दी थी कि उसका प्रस्ताव यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 की दृष्टि से आवेदक के दावे की जांच करने का है । अतः चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों से यह अनुरोध किया गया था कि वे पैरा 8 के उप-पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार करने में समर्थ हो सकें कि क्या बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार उन सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को प्रदान किया जाए जो यह प्रदर्शित कर सकें कि वे उक्त पैरा में निर्धारित मानदंड को पूरा करते हैं । चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का किसी प्रकार का कोई उत्तर दायर नहीं किया है । चीन की सरकार ने भी जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का कोई उत्तर दायर नहीं किया ।

(vii) प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा व्यक्त विचारों पर उस सीमा तक ध्यान दिया है जहां तक वे वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक हैं क्योंकि अन्य हितबद्ध पार्टियों में से किसी ने भी इस निर्णायक समीक्षा जांच के बारे में कोई अनुरोध नहीं किया है ।

(viii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपान्तर को सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध किया और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ;

(ix) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का संभव सीमा तक सत्यापन किया ताकि क्षति का निर्धारण किया जा सके और सामान्यतः रवीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए वी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की ईष्टतम लागत एवं उसके बनाने तथा बेचने की लागत निकाली जा सके जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा अथवा नहीं ।

(x) प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों की मौखिक रूप से सुनवाई करने के लिए 21.9.2005 को सार्वजनिक सुनवाई की जिसमें केवल घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि ही उपस्थित हुए थे । सार्वजनिक सुनवाई में न तो आयातक/निर्यातक और न ही निर्यातक देश की सरकार ने भाग लिया था । सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित होने वाली पार्टियों से यह अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध प्रस्तुत करें । उनसे प्राप्त लिखित अनुरोधों पर प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में विचार किया है ।

(xi) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी के विचाराधीन अनिवार्य तथ्यों तथा अपनाए जाने के लिए प्रस्तावित निर्धारण के आधार का खुलासा 10-11-2005 के पत्र के तहत दो सप्ताह का समय देते हुए ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को किया गया था ।

(xii) \*\*\*\* यह चिन्ह, इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद तथा "समान वस्तु"

5. मूल जांच में विचाराधीन तथा पाटनरोधी शुल्क के अधीन उत्पाद सोडियम नाइट्राइट है । यह आक्सीडाइजिंग तथा रिड्यूसिंग एजेंट है । यह सफेद रबादार पाउडर होता है जिसका उपयोग मुख्यतः भेषज उद्योग, रंजक उद्योग, लुब्रिकेंट, निर्माण रसायन, रबड ब्लॉइंग एजेंट, हीट ट्रांसफर साल्ट, मांस प्रसंस्करण आदि में किया जाता है । सोडियम नाइट्राइट के उत्पादन हेतु प्रमुख कच्ची सामग्री अमोनिया है जिसे उत्प्रेरक की मौजूदगी में उच्च तापमान पर नाइट्रस आक्साइड में परिवर्तित किया जाता है । नाइट्रस आक्साइड को सोडियम नाइट्राइट प्राप्त करने के लिए पुनः कास्टिक सोडा में अवशोषित किया जाता है । यह उत्पाद गंधहीन एवं जल में धुलनशील है । यह उत्पाद सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमा शुल्क उपशीर्ष 2834.10 के अंतर्गत वर्गीकृत है । निर्णायक समीक्षा जांच होने के कारण इस जांच में केवल मूल जांच में शामिल उत्पाद को ही शामिल किया गया है ।

6. जांच में संबद्ध देश से आयात किए जा रहे उत्पाद तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे उत्पाद में किसी खास अन्तर का पता नहीं चला । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा चीन से आयातित सोडियम नाइट्राइट भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्मों, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं । यद्यपि नोक्स गैस के उत्पादन में अंतर्गत विनिर्माण प्रक्रिया प्रौद्योगिकियां अलग-अलग हैं, तथापि उसके बाद की उत्पादन प्रक्रिया एक जैसी है । सभी उत्पादकों द्वारा नोक्स गैस का उत्पादन केवल अमोनिया द्वारा किया जाता है तथा अंतिम उत्पाद में तुलनीय विनिर्देशन होते हैं और उसका उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सोडियम नाइट्राइट पाटनरोधी नियमों के अनुसार चीन से आयातित वस्तु के समान वस्तु है । चूंकि विचाराधीन उत्पाद अथवा समान वस्तु के बारे में किसी भी हितबद्ध ने कोई तर्क नहीं दिया है इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद तथा संबद्ध देश में विनिर्मित एवं वहां से निर्यातित हर प्रकार से समान वस्तु है ।

#### घ. घरेलू उद्योग

7. अपने आवेदन में मै. दीपक नाइट्राइट लि. (डी एन एल) ने यह दावा किया है कि उनके उत्पादन का कुल भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा (74%) है । तथापि, जांच शुरू करने के बाद मै. पंजाब कैमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स लि. (पी सी पी एल) एवं मै. नेशनल

फर्टिलाइजर्स लि.(एनएफएल) ने क्षति निर्धारण हेतु संगत सूचना उपलब्ध की तथा स्वयं को सत्यापन हेतु प्रस्तुत किया । सत्यापन सूचना के आधार पर यह पाया गया था कि समर्थकों सहित संबद्ध वस्तु का उत्पादन घरेलू उत्पादन का 96% था और इस प्रकार वह घरेलू उद्योग थे ।

## ड पाटन का निर्धारण

### ड 1 घरेलू उद्योग के विचार

8. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि चीन जन.गण. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाए । इस निर्णायक समीक्षा जांच में चूंकि चीन जन.गण. के किसी निर्यातक/उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार के अपने दावे के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया है तथा कोई अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए चीन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए उपलब्ध नियमों के अनुसार किया जाए ।

### ड 2 प्राधिकारी द्वारा जांच

9. किसी पाटनरोधी जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस अनुमान के अनुसार कार्रवाई करता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्ष की अवधि के दौरान पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार किसी पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ किसी देश को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया है अथवा उसे ऐसा माना गया है तो वह देश गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश होगा । इस मामले में चीन जन.गण. की गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में जांच करने का प्रस्ताव किया गया था । आवेदन ने यह दावा किया है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्य देशों अर्थात् यूरोपीय आयोग एवं अमरीका द्वारा पाटनरोधी जांच में चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । जहां तक डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्य देशों द्वारा चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने जाने का संबंध है, आवेदक ने चीन जन.गण. के फैरो मोलिबडेनम, स्टील रोप्स तथा केबल्स, नान एलाय स्टील के हाट रोल्ड फ्लैट उत्पादों के मामलों का उल्लेख किया है जिनमें यूरोपीय आयोग ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है ।

10. प्राधिकारी ने धारा 9(क)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को एम ई टी तथा निर्यातक प्रश्नावलियां भेजीं । किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया और उन्होंने न तो निर्यातक प्रश्नावली का और न ही एम ई टी प्रश्नावली का ही उत्तर दिया । उपर्युक्त को देखते हुए चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण यथासंशोधित नियमावली के

अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 में यथा निहित गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित नियमों के अनुसार किया जाए ।

11. चीन जन.गण. के मूल के आशातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाएगा । प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निम्नानुसार प्रावधान है :

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित कीमत अथवा भारत सहित अन्य देशों के लिए ऐसे किसी तीसरे देश की कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां ऐसा संभव न हो वहां उचित लाभ मार्जिन को समायोजित करने के लिए आवश्यकतानुसार विधिवत समायोजित समान वस्तु के लिए भारत में संदर्भ अथवा संदेय कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा ।"

इसके अलावा (यथा संशोधित) पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यह उपबंध है कि :

"8(1) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश" पद का तात्पर्य ऐसे किसी देश से है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत संरचना के बाजारी सिद्धांतों पर प्रचालन न करने वाले देश के रूप में निर्धारित किया जाता है ताकि ऐसे देश में पण्य वस्तु की बिक्री में उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार उक्त पण्य वस्तु का उचित मूल्य प्रदर्शित न हो सके ;

(2) इस आशय का अनुमान लगाया जाएगा कि ऐसा कोई देश, जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य देश द्वारा जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्ष की अवधि के दौरान किसी पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया है अथवा माना है, वह देश गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है ;

"किन्तु यह कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय की सूचना अथवा साक्ष्य प्रस्तुत करके ऐसे किसी अनुमान का खंडन कर सकते हैं जिससे यह प्रमाणित होता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है ।"

12. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के उप-पैरा 3 में उल्लिखित कोई सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि :

(क) क्या कीमत, लागत एवं कच्ची रामग्री सहित निविष्टि, प्रौद्योगिकी की लागत तथा श्रम, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश के बारे में ऐसे देश की संबंधित फर्मों का निर्णय आपूर्ति एवं

मार्ग को प्रदर्शित करने वाले बाजारी संकेतों और इस संबंध में देश के पर्याप्त हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है ;

(ख) क्या ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति खासकर परिसंपत्तियों के मूल्य हास, अन्य बहु खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से अग्रीत पर्याप्त विकृतियों के अधीन है ;

(ग) क्या ऐसी फर्म दिवालियापन और सम्पत्ति के ऐसे कानूनों के अधीन हैं जिनके तहत उक्त फर्मों के प्रचालन हेतु विधिक निश्चितता अथवा स्थायित्व की गारंटी प्राप्त होती है;

(घ) क्या विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है ।

13. चीन के निर्यातकों/उत्पादकों के असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी किसी अलग कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे की जांच नहीं कर सके और उन्होंने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना उचित समझा । प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित कीमत के साक्ष्य के बारे में सूचना प्रदान नहीं की । बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत के बारे में सूचना भी उपलब्ध नहीं कराई गई थी । भारत के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत को स्वीकार नहीं किया जा सका क्योंकि भारत को अधिकांश आयात चीन द्वारा किए गए थे अथवा तीसरे देशों से चीनी मूल की वस्तुओं को यानांतरित किया गया था । यूरोप तथा ताईवान से हुए आयातों को पाटित पाया गया था और उन्हें अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य पर विचार करने के प्रयोजनार्थ प्रतिनिधिक नहीं माना जा सका । उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने कच्ची सामग्री की कीमत तथा इष्टतम परिवर्तन लागत, बिक्री, प्रशासनिक व्यय एवं उचित लाभ को प्रदर्शित करते हुए विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य का परिकलन करना उचित समझा । चीन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर सोडियम नाइट्राइट के विनिर्माण हेतु कच्चा सामग्री, घरेलू उद्योग के खपत संबंधी मानदंड तथा उचित लाभ पर विचार किया गया है । इस बात को ध्यान में रखते हुए चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 में निहित गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से संबंधित नियमों के अनुसार किया गया है । अतः अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य \*\*\* अम. डॉलर/मी.टन निर्धारित किया जाता है ।

### छ 3 निर्यात कीमत

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच में न तो निर्यातकों/उत्पादकों और न ही आयातकों/खपत कर्ताओं ने उत्तर दिया है। प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त सौदे-वार आयात आंकड़ों के आधार पर चीन की संबद्ध वस्तु के आयात की मात्रा तथा निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। भारत के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए अंतर्देशीय भाड़े, बीमा, विदेशी भाड़े आदि के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा दावा किए गए समायोजनों पर विचार किया गया है। प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए संबद्ध वस्तु की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* अम.डालर/मी.टन निर्धारित की है।

### छ 4 पाटन मार्जिन

15. तुलना से संबंधित नियम निम्नानुसार हैं :-

"पाटन मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेंगे। यह तुलना व्यापार के समान स्तर खासतौर पर कारखाना द्वार स्तर पर तथा यथा-संभव उसी समय की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। प्रत्येक मामले में बिक्री की शर्तों में अंतर, व्यापार के स्तर, मात्रा, भौतिक विशेषताओं में अंतर तथा कीमत तुलनीयता प्रभावित करने वाले किसी अन्य अंतर सहित कीमत तुलनीयता प्रभावित करने वाले अंतरों को गुण-दोष के आधार पर उचित छूट प्रदान की जाएगी।" प्राधिकारी ने चीन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन के मूल्यांकन हेतु भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना जांच अवधि के दौरान भारित औसत कारखाना निर्यात कीमत के साथ की है।

निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है :-

निर्यात/उत्पादक	सामान्य मूल्य (अम.डालर/मी.टन)	निर्यात कीमत	निर्यात कीमत के % के साथ में पाटन मार्जिन
सभी	****	****	55.74%
निर्यातक/उत्पादक			

### च. क्षति निर्धारण

#### च. 1 क्षति का संचयी निर्धारण

16. चूंकि इस समीक्षा जांच में केवल चीन से हुए पाटित आयातों की जांच की जा रही है, इसलिए इस मामले में क्षति का संचयी निर्धारण कोई मुद्दा नहीं है।

## च. 2 क्षति जारी रहना

### च.2.1 घरेलू उद्योग के विचार

17. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि शुल्क लगाने के बाद भी चीन से सतत पाटन के कारण उसे वास्तविक क्षति हो रही है। यद्यपि शुल्क लगाने के बाद आयातों की मात्रा में अस्थायी रूप से कमी आई है तथापि, पाटन बढ़ जाने के कारण जांच अवधि के दौरान मात्रा में पुनः वृद्धि हुई है।

18. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी के समक्ष वस्तु के कथित पाटन को सामने लाया गया था और वर्ष 2000 में चीन से ताईवान और यूरोप से संबद्ध वस्तु का पुनः पाटन किया गया था और घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन की जांच करने के बाद उपयुक्त देशों से सोडियम नाइट्राइट के आयातों के बारे में पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था । दूसरी जांच में जांच अवधि 2000-2001 थी जो वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में आधार वर्ष है । उन्होंने आगे यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है किन्तु चीन से पाटन जारी रहने तथा अनेक देशों अर्थात थाइलैंड, ईरान, इंडोनेशिया और कोरिया गणराज्य से 2002-2003 तथा 2003-2004 के दौरान संबद्ध वस्तु के यानांतरण के कारण घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति खराब हो गई थी ।

19. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि क्षति निर्धारण की जांच करते समय प्राधिकारी को चीन जन.गण., ताईवान और यूरोप से पाटित आयात के कारण क्षति के पूर्ववृत्त की भी जांच करनी चाहिए। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि थाईलैंड, ईरान, इंडोनेशिया तथा कोरिया गणराज्य से हुए आयातों को शामिल किया जाए क्योंकि इन देशों में संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं होता है और चीन की वस्तुओं का उपर्युक्त देशों के जरिए यानांतरित किया जाता है।

## च. 2.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा अपने अनुरोध में दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है और प्राधिकारी के समक्ष दिए गए इन तर्कों के आलोक में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने के मुद्दे की जांच की गई है ।

21. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 तथा पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव के बारे में ऐसे उत्पादकों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणाम प्रभाव, दोनों की तथ्यात्मक जांच का प्रावधान है। प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह इस बात की जांच करे कि क्या आयातों में समग्र रूप में अथवा आयातक सदस्य में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव के बारे में प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह

इस बात की जांच करे कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पारित आयातों से कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा पर्याप्त गिरावट आई है अथवा कीमत में ऐसी वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक हो गई होती ।

22. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पारित आयातों की मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रभाव तथा कीमत एवं लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है जिससे कि क्षति की मौजूदगी तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच की जा सके ।

23. चूंकि चीन के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है, इसलिए चीन से हुए सभी निर्यातों को क्षति विश्लेषण तथा कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ पारित आयात माना गया है ।

#### **मात्रा संबंधी प्रभाव: पारित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर प्रभाव**

24. संबद्ध देश से पारित आयातों तथा अन्य देशों से आयातों की मात्रा के प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है :-

25. आयात की मात्रा तथा संबद्ध देश का हिस्सा

घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि आयात की मात्रा का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ चीन से हुए आयातों के साथ-साथ यानांतरित आयातों पर भी विचार किया जाए क्योंकि ये देश संबद्ध वस्तु के उत्पादनकर्ता नहीं हैं । चूंकि घरेलू उद्योग ने भी थाईलैंड, ईरान, इंडोनेशिया तथा कोरिया गणराज्य से यानांतरित आयातों को शामिल करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया था, इसलिए प्राधिकारी ने क्षति निर्धारण हेतु आयात की मात्रा के निर्धारण के प्रयोजनार्थ डीजीसीआई एड एस के सौदेवार आंकड़ों को स्वीकार करना उचित समझा । विचाराधीन उत्पाद के आयात संबंधी आंकड़े निम्नानुसार हैं :-

		2000-01	2001-02	2002-03	मात्रा मी.टन में जांच अवधि
	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
चीन	1287	2000	2202	3740	
सूचीबद्ध	100	155	171	291	
अन्य देशों से आयात पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	1313	1095	822	926	
सूचीबद्ध	100	83	63	71	
अन्य	67	237	445	2362	
सूचीबद्ध	100	387	693	3804	
कुल	2667	3332	3469	7028	

सूचीबद्ध	100	125	130	264
मांग	25627	26232	28022	30397
सूचीबद्ध	100	102	109	119
उत्पादन	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	92	105	101

स्रोत: डीजीसीआईएंड एस के आंकड़े

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है। इसमें समग्र रूप में तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में वृद्धि हुई है। आयातों में वृद्धि की दर जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि दर की तुलना में काफी अधिक है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से आयातों की मात्रा में समग्र रूप में तथा कुल आयातों की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

## 27. मांग, उत्पादन एवं बाजार हिस्सा

### (क) घरेलू उद्योग का उत्पादन

विवरण	मात्रा मी.टन में		
	2000-01	2001-02	2002-03
क्षमता	****	****	****
उत्पादन	100	100	100
सूचीबद्ध	****	****	****
क्षमता उपयोग %	100	92	105
घरेलू बिक्री	76.19	70.46	80.36
सूचीबद्ध	****	****	****
मांग	100	101	108
सूचीबद्ध	25627	26232	28022
	100	102	109
			119

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में मामूली वृद्धि हुई है जबकि इसी अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में 19% की वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में 1% की वृद्धि हुई है। वर्ष 2002-2003 तक उत्पादन एवं बिक्री दोनों में पर्याप्त वृद्धि हुई किन्तु जांच अवधि के दौरान उनमें गिरावट आ गई। वर्ष 2002-2003 के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई किन्तु जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई। घरेलू उद्योग के उत्पादन संबंधी आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष की तुलना में अपने उत्पादन में मामूली सुधार किया है, यद्यपि इस अवधि के दौरान क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

## 28. घरेलू उद्योग की बिक्रियां

मात्रा मी. टन में

विवरण	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
बिक्रियां (घरेलू)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	99	107	101
बिक्रियां- (निर्यात)	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	59	108	102
आबद्ध	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	110	93	89
बिक्रियां-जोड़	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	101	107	101

उपर्युक्त आंकड़ों से यह मालूम होता है कि हालांकि उत्पादन में जांच अवधि के दौरान 1% की वृद्धि हुई, परंतु बिक्रियों में भी घरेलू और निर्यात हिस्सों में उसी अवधि के दौरान 1% की वृद्धि हुई थी ।

## 29. मांग और बाजार हिस्सा

मात्रा मी. टन में

विवरण	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू मांग	25627	26232	28022	30397
सूचीबद्ध	100	102	109	119
मांग में हिस्सा (%)				
घरेलू उद्योग	85.30	82.72	83.34	72.93
चीन	5.02	7.62	7.86	12.30
एडीडी लागू होने वाले देश	5.12	4.17	2.93	3.04
अन्य देश	0.26	0.91	1.59	7.77
अन्य उत्पादक	4.29	4.57	4.28	3.95

जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं में घरेलू मांग पर्याप्त रूप से बढ़ी थी । मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा कम हो गया है और कुछ गिरावट का रूख प्रदर्शित करता है जबकि चीन से पाटित आयातों का बाजार हिस्सा उसी तदनुरूपी अवधि के दौरान पर्याप्त रूप से बढ़ गया है ।

## ख. घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों का कीमत प्रभाव

30. चीन से पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत कम होने, कम कीमत पर बिक्री होने, कीमत में कमी आने और कीमत में कटौती होने, यदि कोई हो के संदर्भ में जांच की गई है ।

31. इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्तियां (एनएसआर) और घरेलू उद्योग की गैर-क्षति कारक कीमत (एनआईपी) (घरेलू उद्योग की लागत सूचना का आकलन करने के पश्चात परिकलित) की तुलना संबद्ध देश से आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है ।

### मूल्य में कटौतियां और कम कीमत पर बिक्री पर प्रभाव

विवरण		मूल्य रूपए/मी.टन में			
		2000-01	2001-02	2002-03	POI
उत्पादन की लागत	रु./मी.टन	****	****	****	****
रुख	सूचीबद्ध	100	103	90	97
बिक्री कीमत	रु./मी.टन	****	****	****	****
रुख	सूचीबद्ध	100	115	119	118
पहुंच मूल्य	रु./मी.टन				
कीमत में कटौती	रु./मी.टन				****
% कीमत में कटौती					****
गैर क्षतिकारक कीमत	रु./मी.टन				****
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी.टन				****
कम कीमत पर बिक्री %	%				****

32. कीमत में कटौती का निर्धारण जांच की समस्त अवधि के दौरान चीन से पाठित आयातों की औसत पहुंच मूल्य के साथ उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्तियों के भारित औसत के साथ तुलना करके किया गया है । इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य 1% प्रहस्तन प्रभारों और संबद्ध देश से आयात कीमतों के डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों में सूचित मूल्य पर मूल सीमा शुल्क जो लागू है, को जोड़कर परिकलित किया गया है ।

33. घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्तियों की निवल राशि का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत छूट लाभांश और कमीशनों तथा अदा की गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को छोड़ दिया गया है ।

34. कम कीमत पर बिक्री का निर्धारण करने के लिए चीन से आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान निर्धारित घरेलू उद्योग की गैर क्षतिकारक बिक्री कीमत और शेष वर्षों के लिए उत्पादन की लागत के साथ की गई है ।

35. कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री (लागू पाटनरोधी शुल्क पर विचार न करते हुए) को पर्याप्त पाया गया है।

#### च.4 अन्य क्षतिकारक मानदंडों की जांच

36. घरेलू उद्योग की मात्राओं और कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा मात्रा और आयातों के मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू उद्योग की बिक्रियों के साथ-साथ पहले खंडों में विभिन्न हिस्सों के बाजार हिस्से के साथ मांग के ढांचे जैसे मुख्य क्षतिकारक सूचकों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के पश्चात और इसके साथ अन्य आर्थिक मानदंडों, जिनका घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी होने की सूचना देता है, को निम्न प्रकर विश्लेषित किया गया है :-

#### 37. उत्पादकता

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
उत्पादकता	मी.टन/दिवास	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	92	105	101
उत्पादकता/कर्मचारी	मी.टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	127	133	115
प्रतिदिन उत्पादकता (एक वर्ष में उत्पादन के 350 दिन मानते हुए)					

घरेलू उद्योग की उत्पादकता का मापन उत्पादन की श्रमिक उत्पादकता के अनुसार किया गया है और यह देखा गया है कि उत्पादकता में सुधार हुआ है क्योंकि उत्पादन में वृद्धि और कार्यबल में कमी हुई है। घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादकता में अपनी लागत में कमी करने के उपायों की नीति के कारण सुधार किया है और प्रतिरप्धातक रहा है। तथापि, सुधरी हुई उत्पादकता के फलस्वरूप आनुपातिक रूप से लाभकारिता नहीं रही।

#### 38. नकदी प्रवाह पर वार्ताविक और संभावित प्रभाव तथा लाभ

यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की लाभकारिता में दो पाटनरोधी जांचों में पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण सुधार हुआ है परंतु जांच अवधि के दौरान पुनः गिरावट आई है और वर्ष 2002-2003 के दौरान हुए लाभ से घाटे में गया है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से वे अपना कार्य-निष्पादन सुधार सके हैं और पाटित आयातों के कारण पहले वर्षों में घाटा उठाने के बाद वर्ष 2002-03 में वे लाभ प्राप्त कर सके हैं। यद्यपि, घरेलू उद्योग अपने घरेलू प्रचालनों से अपने कुल राजस्व और नकदी प्रवाह में 2002-2003 के दौरान सुधार कर सका है परंतु घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान लगातार घाटा उठाता रहा है। उद्योग पाटित आयातों के कीमत स्तर जो मौजूद थे, के कारण अपनी लागत वसूल करने के लिए उचित कीमत प्राप्त नहीं कर सका है। घरेलू उद्योग का नकद लाभ वर्षों से पर्याप्त रूप से कम होता रहा है और चीन जनवादी गणराज्य तथा अन्य यानांतरण देशों से पाटित आयातों के कारण 2002-2003 के दौरान सकारात्मक नकदी प्रवाह के पश्चात जांच अवधि के दौरान नकरात्मक बन गया था।

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
लाभ					
उत्पादन की लागत	रु./मी.टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	103	90	97
बिक्री कीमत	रु./मी.टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	115	119	118
लाभ/घाटा	रु./मी.टन	****	****	****	****
सूचीबद्ध		-100	-63	1	-31
कुल लाभ/घाटा	लाख रुपए	****	****	****	****
सूचीबद्ध		-100	-46	34	-12

### 39. रोजगार और वेतन

रोजगार स्तर में क्षति की अवधि के दौरान गिरावट आई है परंतु सामान्य वेतन संशोधन के कारण वेतन और मजदूरी में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने अपने लागत में कटौती उपायों के कारण वेतन वृद्धि के पश्चात भी अपनी उत्पादकता में सुधार किया है। तथापि, वेतन और मजदूरी में खर्च की वृद्धि तुलनीय अवधियों के दौरान उत्पादन में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ होती रही हैं।

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
रोजगार					
कर्मचारियों की संख्या		****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	73	79	87
वेतन	रु./लाख	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	70	88	94

### 40. निवेश पर लाभ और पूंजी जुटाने की योग्यता

2002-2003 के दौरान निवेश पर लाभ का नियोजित पूंजी पर लाभ सकारात्मक था जो चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों के कारण जांच अवधि के दौरान नकारात्मक हो गया था। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण नियोजित पूंजी पर लाभ 2002-2003 तक सुधर गया था और जांच अवधि के दौरान पुनः बिक्रित हो गया था।

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निवेशों पर लाभ					
सकल ब्लॉक	रु./लाख	****	****	****	****
कार्यशील पूंजी	रु./लाख	****	****	****	****
नियोजित पूंजी (जोड़)	रु./लाख	****	****	****	****
नियोजित पूंजी घरेलू	रु./लाख	****	****	****	****
लाभ/घाटा-घरेलू बिक्रिया	रु./लाख	****	****	****	****
नियोजित पूंजी पर लाभ	%	****	****	****	****
रुख	सूचीबद्ध	-100	-49	40	-13

#### 41. निवेश

जांच अवधि के दौरान आवेदकों द्वारा क्षमता का कोई वर्धन अथवा कोई नया निवेश नहीं किया गया है।

#### 42. पाटन की मात्रा

एक सीमा के सूचक के रूप में पाटन की मात्रा जिस तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकते हैं, से मालूम होता है कि जांच अवधि के लिए चीन के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन पर्याप्त है, जबकि पाटन रोधी शुल्क लागू है।

#### 43. कीमतों को प्रभावित करने वाले घटक

तागत ढांचे में परिवर्तन यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापक की कीमतों की जांच घरेलू बाजार में मूल्यों को प्रभावित कर सकने वाले पाटित आयातों को छोड़कर अन्य घटकों का विश्लेषण करने के लिए की गई है। इस उत्पाद का कोई कार्यक्षम प्रतिपूरक नहीं है। इसलिए पाटित आयात कीमतों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव हुआ मालूम होता है।

#### 44. बीजक

विवरण	इकाई	2000-01	2001-02	2002-03	POI
बीजक	मी.टन	1199	454	475	664
सूचीबद्ध		100	38	40	55

घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क को लागू करने से बीजकों को चालू रख सका है। तथापि, घरेलू उद्योग के निर्यात इसकी घरेलू बिक्री की अपेक्षा बीजक चालू रहने में घरेलू उद्योग की सहायता करने वाले मालूम होते हैं।

45. उपर्युक्त आर्थिक मानदंडों की जांच से यह मालूम होता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग ने उत्पादन और बिक्री मात्राओं सहित कई मानदंडों में अपने कार्य-निष्पादन में सुधार किया है, परंतु इससे उसकी लाभकारिता में कोई सुधार नहीं हुआ है और उद्योग को जांच अवधि के दौरान अब भी घाटा हो रहा है। इसलिए प्राधिकारी का निष्कर्ष यह है कि घरेलू उद्योग को लगातार धास्तविक क्षति होती है।

#### च.5 अन्य ज्ञात घटक और कारणात्मक संबंध

##### (i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमतें

46. अन्य सौतों से आयात या तो यानातारिक आयात हैं अथवा न्यूनतम मात्रा में हैं अथवा अधिक कीमतों घर किए गए हैं और ऐसे आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगा हुआ है। इसलिए इन आयातों का मात्रा और मूल्य दोनों के अनुसार घरेलू उद्योग पर कोई पर्याप्त प्रभाव मालूम नहीं होता है। इसलिए चीम से आयातों की मात्रा और कीमतों का घरेलू कीमतों पर अधिक प्रतिकूल प्रभाव मालूम होता है जिससे किसी अन्य सौत से हुए आयातों की तुलना में घरेलू उद्योग की वर्तमान क्षति में पर्याप्त योगदान रहा है।

#### (ii) मांग में कमी और/अथवा खपत के तरीके में परिवर्तन

47. 2001-2002 में गिरावट के पश्चात विद्यारथीन उत्पाद की घरेलू मांग जांच अवधि के दौरान पर्याप्त रूप से बढ़ी है। कुल मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2000-2001 के दौरान 100 से गिरावट आकर जांच अवधि के दौरान 86 रह गया है जबकि चीन से पाटित आयातों का बाजार हिस्सा तदनुरूपी अवधि के दौरान 100 से बढ़कर 245 हो गया है। घरेलू बाजार में उत्पाद के खेपत के तरीके में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है जिसको घरेलू उद्योग को क्षति होने का कारण कहा जा सके।

#### (iii) विदेशी और घरेलू उत्पादकों का बीच व्यापार प्रतिबंधक प्रथाएं और प्रतिस्पर्धा

48. संबद्ध वस्तुएं मुक्त रूप से आयात की जा सकती हैं और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधक प्रथाएं नहीं हैं। घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन बाजार में पाटित आयातों के साथ पृथक स्वरूप से जुड़ा हुआ है और भारतीय उत्पादकों के बीच अनुचित प्रतिस्पर्धा के बारे में कोई साक्ष्य प्राधिकारी के सम्में प्रस्तुत नहीं किया गया। इसलिए घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति का कारण विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा अथवा प्रतिबंधक व्यापार प्रथाओं को नहीं माना जा सकता।

#### (iv) प्रौद्योगिकी और निर्यात कार्य निष्पादन का विकास

49. संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन प्रक्रिया की प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ है। इसलिए घरेलू उद्योग की प्रौद्योगिकी विकास अथवा उत्पादन के अकुशल तरीके को घरेलू उद्योग को क्षति के किसी कारण के रूप में नहीं समझा जा सकता है। घरेलू उद्योग का निर्यात कार्य निष्पादन जांच अवधि के दौरान सुधारा था, इसलिए घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य निष्पादन में हुई संभव विकृति घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं हो सकती।

#### (v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

50. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में श्रमिक उत्पादन और दैनिक उत्पादन के अनुसार सुधार मालूम हुआ है। इसलिए उत्पादकता ऐसा कोई घटक नहीं है जिसको घरेलू उद्योग को ही क्षति का कारण कहा जा सकता है। वस्तुतः घरेलू उद्योग ने उत्पादकता में सुधार के जरिए अपने घरेलू प्रचालन में अपने घाटों को कम करने का प्रयास किया है।

51. क्षति मानदंडों के उक्त विश्लेषण और कारण न बने घटकों की जांच से यह मातृम होता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में कई मानदंडों में सुधार हुआ है, फिर भी उनको बाजार के हिस्से, लाभकारिता में कमी, नकद घाटे और संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण कीमत में कटौती के रूप में वास्तविक क्षति हो रही है ।

#### च.6 घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारक कीमत का निर्धारण

52. संबद्ध वस्तु के लिए गैर-क्षतिकारक कीमत का परिकलन घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के ब्यौरेवार विश्लेषण और छानबीन के पश्चात किया गया है । घरेलू उद्योग के लिए भारित औसत गैर-क्षतिकारक कीमत प्राधिकारी द्वारा 22,307 रुपए/किग्रा. के रूप में निर्धारित की गई है ।

#### च.7 क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

53. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित गैर-क्षतिकारक कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से निर्यातों के भारित औसत पहुंच मूल्य के साथ की गई है और क्षति मार्जिन का परिकलन सकारात्मक रूप से किया गया है ।

#### छ. पाटन और क्षति के चालू रहने अथवा उनकी पुनरावृत्ति की संभावना

54. प्राधिकारी ने यह पहले ही साबित कर दिया है कि लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद चीन से पाटन लगातार हो रहा है और घरेलू उद्योग को ऐसे पटित आयातों के कारण निरंतर वास्तविक क्षति हो रही है । इसलिए पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना की जांच करने की आवश्यकता नहीं है । तथापि, प्राधिकारी ने शुल्क के वापस लेने अथवा परिवर्तित करने के मामले में पाटन और क्षति के जारी रहने की संभावना की जांच की है ।

55. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग की स्थिति की वर्तमान अवस्था इस स्वरूप की समीक्षा के लिए एक वास्तविक तथ्य नहीं है । उन्होंने यह निवेदन किया है कि प्राधिकारी को शुल्क को जारी रखने अथवा परिवर्तित करने अथवा हटाने के किसी निर्णय पर पहुंचने के लिए पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच करने की आवश्यकता है ताकि पाटन को समाप्त किया जा सके । घरेलू उद्योग ने अपने निवेदन में इस तथ्य को उजागर करने के लिए कई देशों में कानूनों और प्रथाओं तथा मानकों की समीक्षा का उद्धरण दिया है कि किसी समीक्षा जांच में पाटन और क्षति का जारी रहना अथवा पुनरावृत्ति की संभावना का निर्धारण महत्वपूर्ण है । उन्होंने अन्य बातों के साथ-साथ यह निवेदन किया है कि:-

(i) कि चीनी निर्यात भारतीय बाजार में अब भी पाटन सामग्री हैं ।

(ii) कि घरेलू उद्योग संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण निरंतर क्षति का सामना कर रहा है और यदि पाटनरोधी शुल्क हटा लिया गया तो घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति हो सकती है अथवा वह बढ़ सकती है ।

(iii) कि चीन से निर्यात कीमत और पहुंच कीमत वर्षों से वास्तविक रूप में परिवर्तित नहीं हुई हैं । वस्तुतः इनमें सर्वोत्तम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात अमरीकी डॉलर के अनुसार और गिरावट आ सकती है ।

(iv) संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद भी लगातार बढ़ोत्तरी हुई है । इससे स्पष्ट रूप से यह मालूम होता है कि चीनी निर्यातक पाटन का सहारा लिए बगैर भारतीय बाजार में बिक्री नहीं कर सकते थे । जहां तक आयात मात्राओं में बाद में वृद्धि होने का संबंध है, घरेलू उद्योग यह समझता है और निवेदन करता है कि भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई शुल्क मुक्त आयात छूटों का अनुचित लाभ लेते हुए अत्यधिक मात्रा में आयात किए जा रहे हैं और संबद्ध वस्तुओं का यानांतरण किया जा रहा है ।

(v) कि चीनी उत्पादकों के पास पर्याप्त फालतू क्षमताएं हैं और चीन में मांग उनके द्वारा उत्पन्न क्षमताओं से काफी कम है । घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई उपलब्ध सूचना से यह सुझाव प्राप्त होता है कि संबंधित उत्पाद के लिए सकल चीनी उत्पादन क्षमता लगभग 4,50,000 मी.टन प्रति वर्ष है और वर्तमान चीनी उत्पादन की मात्रा केवल लगभग 1,30,000 मी.टन है । यह अनुमान व्यापार, सांख्यिकी (लगभग 37,240 मी.टन/वर्ष) द्वारा दिए गए चीनी विश्वव्यापी निर्यात मात्रा के आधार पर है और भारतीय खपत (लगभग 92,000 मी.टन/वर्ष) की मोटे तौर पर तीन गुना अनुमानित की गई है । इस आधार पर चीनी क्षमता उपयोग की दर 30% से कम है और अतिरिक्त क्षमता भारतीय खपत से कई गुना है । इसके परिणामस्वरूप चीन में उपलब्ध अत्यधिक उत्पादन क्षमता के परिणामस्वरूप इन उत्पादकों द्वारा शीघ्रता से उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है और भारतीय बाजार में उसका निर्यात किया जा सकता है यदि पाटनरोधी शुल्क को संभावित रूप से हटा लिया जाए । यह तर्क दिया गया है कि संबद्ध वस्तु का 1,30,000 टन प्रति वर्ष से चीनी उत्पादन घरेलू खपत से बहुत अधिक है और इसलिए उनको आवश्यक रूप से इसका निर्यात करना है । इसलिए यह अत्यधिक संभावना है कि शुल्क को समाप्त करने से आयातों में बहुत अधिक बढ़ोत्तरी होगी और घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हो जाएगी ।

56. प्राधिकारी ने इन सभी तर्कों की जांच की है । घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस जांच में सहयोग नहीं दिया है इसलिए प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना के आधार पर संभावना के मानदंडों का विश्लेषण करने के लिए बाध्य है । घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत वेबसाइट सूचना के अनुसार चीनी उत्पादक 45,0000 मी.टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता रखते हैं और वार्षिक उत्पादन अनुमानतः लगभग 1,30,000 मी.टन है । घरेलू उद्योग ने यह भी बताया है कि घरेलू खपत लगभग 92,000 मी.टन वार्षिक है इसलिए उनके पास पाटनरोधी शुल्क के संभावित समाप्त करने के मामले में अत्यधिक मात्रा में फालतू क्षमता उपलब्ध है । चीन से अन्य देशों को सोडियम नाइट्राइट के

निर्यात करने से संबंधित उपलब्ध सूचना से यह मालूम होता है कि चीन के निर्यातिक/उत्पादक अन्य देशों में भी सोडियम नाइट्रोइट का पाटन कर रहे हैं इसलिए शुल्क के हटाने से पाटन के जारी रहने की अत्यधिक संभावना है ।

57. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस तथ्य के बावजूद पाटन जारी है कि चीन के विरुद्ध पाटन शुल्क लागू रहने पर भी और आयात की मात्राओं में पर्याप्त बढ़ोत्तरी हुई है । पाटन मार्जिन की सीमा और वर्तमान आयातों की मात्रा के साथ-साथ अन्य देशों को चीनी निर्यातिकों के निर्यातों की मात्रा पर विचार करते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि यदि शुल्कों को हटा लिया जाए तो पाटन जारी रह सकता है ।

58. जहां तक घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति होने का संबंध है, प्राधिकारी ने उन कीमत स्तरों की जांच की है जिन पर शुल्क के लागू होने के बावजूद संबद्ध देश से भारतीय बाजार में वस्तुओं का प्रवेश हो रहा है । चीनी निर्यातिकों द्वारा पर्याप्त मूल्य में कटौती और कम मूल्य पर बिक्री की जा रही है जबकि पाटनरोधी शुल्क के बगैर वर्तमान आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्तियों और गैर-क्षतिकारक कीमत के साथ की जाए । किसी भी हितबद्ध पक्षकार से ऐसा कोई संकेत अथवा तर्क प्राप्त नहीं हुआ है कि संबद्ध देश से आयातों के कीमत ढांचे में शुल्क को हटाने के बाद परिवर्तन हो जाएगा । इसके विपरीत उपलब्ध फालतू क्षमता और चीन में मांग आपूर्ति स्थिति को देखते हुए यह संभावना है कि कीमत का स्तर और कम होगा जिससे घरेलू उद्योग को यदि शुल्क को हटा लिया जाए तो और क्षति होगी ।

#### ज. निष्कर्ष

59. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदनों और उक्त परिणामों में दर्ज किए गए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच तथा पाटन तथा क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना और वर्तमान पाटन तथा क्षति की स्थिति के उक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि :-

- (i) चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुएं इसके सामान्य मूल्य पर प्रविष्ट हुई हैं और चीन से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से काफी अधिक और ऊपर है ।
- (ii) यदि पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाए तो चीन से पाटन जारी रहने और अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना भी है ।
- (iii) घरेलू उद्योग को इस समय लगातार वास्तविक क्षति हो रही है और इस वर्तमान क्षति का कारण चीन जनवादी गणराज्य से पाटित आयातों की मात्रा के साथ-साथ कीमत प्रभाव के कारण है ।

(IV) यदि चीन जनवादी गणराज्य से आयातों के संबंध में शुल्कों को हटा लिया जाए तो घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है।

(V) इसलिए, पाटनरोधी शुल्क को पाटन को समाप्त करने के लिए चीन से उद्गमित अथवा निर्यातित वस्तुओं पर लागू रखने की आवश्यकता है।

(VI) तथापि, चीनी मूल की वस्तुओं के पुनः निर्यात अथवा यानांतरण यदि कोई हो, को चीन के विरुद्ध लगाए गए शुल्क के अंतर्गत पर्याप्त रूप से शामिल किया जाएगा।

### इ. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

60. पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप से पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा और खुला होने की स्थिति को पुनः स्थापित किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों के लागू करने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

### (ट) सिफारिशें

61. पाटन के जारी रहने के सकारात्मक निर्धारण, क्षति और कारणात्मक संबंध के साथ-साथ चीन जनवादी गणराज्य से आयातों के कारण पाटन तथा क्षति के जारी रहने की संभावना की दृष्टि से प्राधिकारी का यह मत है कि चीन से संबद्ध वस्तुओं के संबंधित आयातों के बारे में उपाय को जारी रखना आवश्यक है। तथापि, चीन से पाटन के वर्तमान स्तर और घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर विचार करते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि लागू उपाय को संशोधित करने की आवश्यकता है। इसलिए प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और यह सिफारिश करते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निम्न प्रकार और तरीके से पाटनरोधी शुल्क जारी रखा जाए।

62. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन से कम के समान चीन जनवादी गणराज्य से उद्गमित अथवा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू रखने की सिफारिश करते हैं ताकि पाटन को समाप्त किया जा सके और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर किया जा सके। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मूल जांच में शुल्क कीमत के आधार पर लगाया गया था, इसलिए प्राधिकारी इस बात को उचित समझते हैं कि पाटनरोधी शुल्क को संदर्भित कीमत आधार पर लगाया जाए और तदनुसार यह सिफारिश करते हैं कि निम्न तालिका के कालम 9 में उल्लिखित शुल्क और पहुंच मूल्य के बीच अंतर के रूप में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं जिसे चीन से निर्यातित अथवा उद्गमित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना से लगाया जाना है।

### ठ. अगली प्रक्रियाएँ

63. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क उत्पाद और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।

64. प्राधिकारी अधिनियम के संगत प्रावधानों और इस संबंध में समय-समय पर जारी सार्वजनिक नोटिसों के अनुसार समय-समय पर यहां पर की गई सिफारिश के अनुसार निश्चयात्मक उपाय को जारी रखने, संशोधन अथवा समाप्त करने की आवश्यकता की समीक्षा कर सकते हैं । प्राधिकारी तब तक किसी ऐसी समीक्षा के अनुरोध को स्वीकार नहीं करेंगे जब तक इस परियोजनार्थ निर्धारित समय सीम के भीतर कोई हितबद्ध पक्षकार उसे प्रस्तुत नहीं करता ।

### शुल्क तालिका

क्रम सं.	उपशीर्ष अथवा टैरिफ मद	वस्तुओं का विवरण	विनिर्दिष्टता उद्गत का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	मापन की मुद्रा इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	2841.61	सोडियम नाइट्राइट सभी ग्रेड	चीन	कोई	कोई	कोई	481	मी. टन अमरीकी डालर
2.	2841.61	सोडियम नाइट्राइट सभी ग्रेड	कोई	चीन	कोई	कोई	481	मी. टन अमरीकी डालर

क्रिस्टी फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st December, 2005

### SUNSET REVIEW

### FINAL FINDINGS

**Subject : Sunset Review regarding anti-dumping duty imposed on Sodium Nitrite originating in or exported from China PR.**

No. 39/1/1999-DGAD.—Whereas, the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (herein after also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after also referred to as Rules), recommended imposition of provisional anti dumping duty on imports of Sodium Nitrite (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country). The preliminary findings were published vide Notification no. 39/1/99-DGAD dated 6<sup>th</sup> April 2000 and provisional duties were imposed on the subject goods vide Customs Notification No. 76/2000-Customs dated 23.5.2000. The Designated Authority notified the final findings on 3.11.2000 and definitive antidumping duty were imposed by Customs vide Notification No: 147/2000 dated 19.12.2000.

2. AND WHEREAS, the Designated Authority, received an application from the domestic industry of the subject goods from China PR i.e. M/s Deepak Nitrite Ltd., requested for continuation of the anti-dumping duty

imposed on subject goods for a further period of 5 years for review of the antidumping duties levied on the subject goods. The Authority, on the basis of a request made on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 2<sup>nd</sup> December,2004, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping sunset review investigation in respect of the duty in force against the above countries as above, to determine whether the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. The antidumping duty as notified vide Notification No. 76/2000 dated 23.5.2000, as amended by Notification No. 147/2000-Customs dated 19.12.2000 was extended up to 21.5.2006 vide notification No.60/2005 dated 4.7.2005 in terms of Section 9 (A) (5) of the Act.

#### **A. BACK GROUND OF THE CASE**

3. On the basis of an application filed by the M/s Deepak Nitrite Ltd. and M/S Punjab Chemicals Ltd., the domestic producers in India, the Designated Authority conducted an investigation into Dumping, Injury and Causal link of imports of Sodium Nitrite from China PR and on the basis of its determination of Dumping, Injury and Causal link, notified its final findings vide Notification No: 39/1/99-DGAD dated 3<sup>rd</sup> November 2000. Acting Upon the findings of the Authority the Central Government imposed antidumping duty on imports of the subject goods from the subject country vide Customs notification No: 147/2000 dated 19.12.2000. The present investigation to review the need for continuation of duty has been initiated on 2/12/2004 on the basis of an application filed by one of the domestic producers i.e, M/s Deepak Nitrite Ltd(DNL) which was later supported by M/s Punjab Chemicals and Pharmaceuticals Limited (PCPL) and M/s National Fertilizers Limited (NFL).

#### **B. PROCEDURE**

4. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:

- i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, alongwith the initiation notification, to all known exporters/producers in the subject country, and domestic industry in India in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information;
- ii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iii) Questionnaires were sent to known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

iv) Investigation was carried out for the period starting from 01:04.2003 to 31.3.2004 (POI). However, injury examination was conducted for the periods 2000-01, 2001-2002, 2002-03 and Period of Investigation (POI).

v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the POI;

vi) A market economy questionnaire (MET) was forwarded to all the known exporters and the Bureau of Fair Trade (BOFT), Government of China. While for the purpose of initiation the normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR. The Authority informed the known exporters that it proposed to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules as amended. The concern exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment be granted to cooperative exporters/ producers who could demonstrate that they satisfy the criteria stipulated in the said paragraph. None of the exporters/producers from China PR have filed any response, in any manner, to the initiation notification. The Chinese Government also did not file any response to the initiation notification.

vii) The Authority has considered the views expressed by the applicant to the extent they are relevant for the present investigation since none of the other interested parties made any submission with regard to this sunset review investigation.

viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file and kept open for inspection by the interested parties;

ix) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible to examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry;

x) The Authority held a public hearing on 21.9.2005 to hear the interested parties orally, which was attended only by representatives of the domestic industry. None of the importers/exporters nor the Government of the exporting country attended the public hearing. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions received from them have been considered by the Authority in this finding;

xi) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts under consideration of the Authority and the basis of determination proposed to be adopted were disclosed to known interested parties vide letter dated 10/11/2005 giving two weeks time.

xii) \*\*\*\* In the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

#### **C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND 'LIKE ARTICLE'**

5. The product under consideration in the original investigation and the product attracting antidumping duty is Sodium Nitrite. It is an oxidizing as well as a reducing agent. It is a white crystalline powder mostly used in pharmaceutical industries, dye industries, lubricants, construction chemicals, rubber blowing agent, heat transfer salts, meat processing etc. The major raw material for production of Sodium Nitrite is ammonia which is converted into nitrous oxide at high temperature in presence of catalyst. The nitrous oxide is further absorbed in Caustic Soda to get Sodium Nitrite. The product is odorless and soluble in water. The product is classified under custom sub-heading 2834.10 of the Custom Tariff Act, 1975. This being a sunset review investigation, the investigation covers the product covered in the original investigation only.

6. The investigations did not reveal any significant difference in the product being imported from subject country and goods being produced by the domestic industry. Sodium Nitrite produced by the domestic industry and imported from China is comparable in terms of characteristics such as physical & chemical properties, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Even though there are different manufacturing process/technologies involved for production of nox gas, the production process thereafter is similar. Nox gas is produced by all producers from ammonia only and the end product has comparable specifications and is used interchangeably. Sodium Nitrite produced by the domestic industry is a like article to the goods imported from China in accordance with the anti-dumping Rules. Since, no argument has been extended, by any interested party, on the issue of product under consideration or like article, therefore, the Authority holds that the product being manufactured by the domestic industry and the product being manufactured and exported from the subject country are alike in all respect.

#### **D. DOMESTIC INDUSTRY**

7. The applicant M/s Deepak Nitrite Limited(DNL) claimed in its application that the production by them constituted a major proportion (74%) of the total Indian production. However, upon initiation of investigations,

M/s Punjab Chemicals and Pharmaceuticals Limited (PCPL) and M/s National Fertilizers Limited (NFL) provided information relevant for determination of injury and offered themselves for verification. Based on the verified information, it was found that the production of the subject goods including the supporters was 96% of the domestic production and thus constitute the domestic industry.

#### **E. DUMPING DETERMINATION**

##### **E.1 Views of the domestic industry**

8. The domestic industry has submitted that China PR may be considered as a non-market economy country and the normal value may be determined as per para 7 of Annexure I of AD Rules. In this sunset review investigation since none of the exporters/producers from China PR has responded and filed any submission with regard to their claim of market economy treatment, the normal value may be determined for all exporters/producers from China as rules available for non-market economy country.

##### **E.2. Examination by the Authority**

9. The Designated Authority in an anti-dumping investigation proceeds with a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country as per para 8(2) of Annexure-I of AD Rules. In the instance case, China PR was proposed to be investigated as non-market economy. The applicant has claimed that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti- dumping investigations by other WTO member countries namely European Commission and USA. With regard to treatment of China PR as a non-market economy by other WTO Members countries, the applicant has cited cases namely, in the matter of Ferro molybdenum, Steel ropes & cables, Hot rolled flat products of non alloy steel from China PR where European Commission has treated China PR as a non-market economy country.

10. The Authority sent MET and exporters questionnaires to the known exporters/producers for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A (1)(C). None of the exporters/producers responded to the initiation notification and did not file any response either to the exporter's questionnaire or to the MET questionnaire. In view of the above, the determination of normal value in respect of China PR is to be

carried out in accordance with the Rules relating to non-market economies as contained in Para 7 & 8 of Annexure-1 of Rules as amended.

11. In anti-dumping investigations concerning imports originating in China PR, normal value shall be determined in accordance with para 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

*"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."*

Further Para 8 of Annexure 1 of the AD Rules (as amended) provides that:

*"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph(3)*

*(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;*

*Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)."*

12. The Authority notes that none of the Chinese exporters/producers filed any information/evidence as mentioned in sub Para 3 of the Paragraph 8 of Annexure 1 of AD Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether;

- a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant

State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

13. The Authority, in view of non-cooperation of Chinese exporters/producers could not examine the claim of market economy status to any individual company and found appropriate to determine the normal value as per para 7 of Annex-I of AD Rules treating China as a non market economy country. The Authority notes that the applicant did not provide information regarding the evidence of price or constructed normal value in a market economy third country. The information regarding the price from a market economy third country to other countries were also not made available. As regards the prices from market economy third country to India could not be adopted since majority of imports to India were either by China or transhipped subject goods of Chinese origin from third countries. Imports from Europe and Taiwan were found to be dumped and could not be considered representative for the purpose of considering the normal value as per para 7 of Annexure I. In view of the above, the Authority found appropriate to construct the normal value considering the cost of production in India, duly adjusted, reflecting the raw material prices and optimum conversion costs, selling, general administrative expenses and reasonable profit. The raw materials for manufacturing Sodium nitrite at the international price, the consumption norms of the domestic industry and reasonable profit have been considered for constructing the normal value for all exporters/producers of China PR. In view of this, the normal value in respect of China PR is determined as per Rules relating to non-market economies as contained in Para 7 of Annexure-1 of AD Rules. The normal value is therefore determined as US\$\*\*\*\*/MT for all exporters/producers from China for the purpose of final determination.

### **E.3 EXPORT PRICE**

14. The Authority notes that neither the exporters/producers nor importers/consumers have responded in this investigation. The Authority on the basis of transaction wise import statistics collected from DGCI&S determined the import volumes and export price for the subject goods from China. The adjustments claimed by the domestic industry with regard to inland freight, handling, insurance, overseas freight etc. have been considered to arrive at ex-factory export price to India. The Authority has

determined the ex-factory export price as US\$ \*\*\*\*/MT of subject goods for all exporters/producers from China for the purpose of final determination.

#### **E.4 DUMPING- MARGIN**

15. The rules relating to comparison provides as follows:

“While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.” The authority has carried out weighted average normal value comparison with the weighted average ex-factory export price during the POI for evaluation of the dumping margin for all the exporter/producers from China.

The dumping margin for exporter/producers comes as under:

Exporter/Producer	Normal Value (US\$/MT)	Export Price (US\$/MT)	Dumping margin as % of Export Price
All exporters/Producers	****	****	55.74%

The Dumping Margins so determined for all exporters/producers from China has been found to be significant and above de-minimis.

#### **F. INJURY DETERMINATION**

##### **F.1 Cumulative Assessment of Injury**

16. Since the dumped imports from China alone is being examined in this review investigation therefore, cumulative assessment of injury is not an issue in this case.

##### **F.2 Continuation of Injury**

###### **F.2.1 Views of the domestic industry**

17. The domestic industry argued that it continues to suffer material injury due to continued dumping from China even after imposition of the duties. Though the volume of imports decreased temporarily after

imposition of duty, the volume went up once again during the POI due to intensified dumping.

18. The domestic industry has submitted that the alleged dumping of the subject goods was brought before the Authority and on examination of dumping causing injury to the domestic industry, anti-dumping duty was levied concerning imports of Sodium Nitrite from China PR in 2000. The subject goods were once again dumped from Taiwan and Europe and on investigation on alleged dumped imports causing injury to the domestic industry, the duties were levied concerning imports of Sodium Nitrite from above mentioned countries. The period of investigation in the second investigation was 2000-2001 which is the base year for this present sunset review investigation. They have further argued that the financial health of the domestic industry was improved but due to continued dumping from China and the transshipment of subject goods from number of other countries namely Thailand, Iran, Indonesia and Korea RP during 2002-2003 and 2003-2004, the financial situation of the domestic industry was deteriorated.

19. The domestic industry has submitted that while examining the injury determination, the Authority should also examine the previous history of injury due to the dumped imports from China PR, Taiwan and Europe. The domestic industry has argued to include the imports reported from Thailand, Iran, Indonesia and Korea RP as these countries do not have the production of subject goods and transshipped through the above mentioned countries of the Chinese goods.

#### **F.2.2 Examination by the Authority**

20. The Authority has taken note of various arguments raised by the domestic industry in its submissions and issue of continuation of injury to the domestic industry has been examined in the light of these arguments made before the Authority.

21. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authority is required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a

significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

22. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

23. Since positive dumping margin has been established for the exports/producers from China, entire exports from China has been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

#### **VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry**

24. The effects of the volume of dumped imports from the subject country as well as imports from other countries have been examined as follows:

##### **25. Import Volumes and share of subject country:**

The domestic industry has submitted that transshipped imports may also be considered along with Chinese imports for the purpose of determination of import volumes since these countries are not the producers of the subject goods. Since the domestic industry also did not provide sufficient evidence for inclusion of transshipped imports from Thailand, Iran, Indonesia and Korea RP, the Authority considered appropriate to accept the transaction wise DGCI&S data for the purpose of import volumes determination for injury examination. The import figures of the product under consideration are as follows:

	Quantity in MT			
	2000-01	2001-02	2002-03	POI
	Qty	Qty	Qty	Qty
China	1287	2000	2202	3740
indexed	100	155	171	291
Imports from other countries attracting anti-dumping duty	1313	1095	822	926
indexed	100	83	63	71
Others	67	237	445	2362
indexed	100	387	693	3804
Total	2667	3332	3469	7028
Indexed	100	125	130	264

Demand	25627	26232	28022	30397
Indexed	100	102	109	119
Production	****	****	****	****
Indexed	100	92	105	101

Source: DGCI&S data

26. The Authority notes that the import volumes from China PR have increased during the POI. It has increased in absolute terms as well as in relative terms to production and consumption in India. The rate of increase in imports is much higher than the rate of increase in demand during the POI. The Authority also notes that the imports from China PR have increased during the POI in spite of anti-dumping duty in place. The import volumes have substantially increased during the POI both in absolute term and in relation to the total imports.

27. **Demand, Output and Market shares**

a) **Production of the Domestic Industry**

Particulars	Quantity in MT			
	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Capacity	****	****	****	****
Production	100	100	100	100
Indexed	****	****	****	****
Capacity Utilization(%)	100	92	105	101
Domestic sales	76.19	70.46	80.36	76.73
Indexed	****	****	****	****
Demand	100	101	108	103
Indexed	25627	26232	28022	30397
	100	102	109	119

The sales of domestic industry have marginally increased during the POI whereas the demand of the subject goods has increased by 19% during the same period. The production of the domestic industry has increased by 1% during the POI compared to the base year. Both production and sales increased considerably till 2002-2003 but declined during the POI. The capacity utilisation of the domestic industry increased during 2002-2003 but declined during the POI. The production data of the domestic industry reveals that the domestic industry has marginally improved its production compared to the base year though there is no capacity addition during this period.

## 28. Sales of Domestic Industry

Particulars	Quantity in MT			
	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Sales (Domestic)	****	****	****	****
Indexed	100	99	107	101
Sales – (Exports)	****	****	****	****
Indexed	100	59	108	102
Captive	****	****	****	****
Indexed	100	110	93	89
Sales - Total	****	****	****	****
Indexed	100	101	107	101

The data above shows that though the production increased by 1% during the POI, the sales also increased by 1% both in the domestic and the export segments during the same period.

## 29. Demand and Market Share

Particulars	Quantity in MT			
	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Domestic Demand	25627	26232	28022	30397
Indexed	100	102	109	119
Share in Demand(%)				
Domestic Industry	85.30	82.72	83.34	72.93
China	5.02	7.62	7.86	12.30
Countries attraction ADD	5.12	4.17	2.93	3.04
Other countries	0.26	0.91	1.59	7.77
Other producers	4.29	4.57	4.28	3.95

Total domestic demand of the subject goods increased substantially during the POI. The market share of domestic industry in demand has decreased and showing a declining trend, whereas the market share of dumped imports from China has increased substantially during the same corresponding period.

## B. PRICE EFFECT OF THE DUMPED IMPORTS ON THE DOMESTIC INDUSTRY

30. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from China has been examined with reference to the price

undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

31. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the domestic industry (worked out after normating the costing information of the domestic Industry) have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

**Price undercutting and underselling effects**

**Values in Rs/MT**

<b>Particulars</b>		<b>2000-01</b>	<b>2001-02</b>	<b>2002-03</b>	<b>POI</b>
Cost of Production	Rs./MT	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	103	90	97
Selling Price	Rs./MT	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	115	119	118
Landed Value	Rs./MT				
Price under Cutting	Rs./MT				****
% Price undercutting					****
Non Injurious Price	Rs./MT				****
Price underselling	Rs./MT				****
Price underselling %	%				****

32. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from China over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject country.

33. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

34. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed price of imports from China has been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI and cost of production for the remaining years.

35. The price undercutting and price underselling (without considering the antidumping duty in force) has been found to be significant.

#### F.4 Examination of other Injury Parameters

36. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed here as follows:

#### 37. Productivity

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Productivity	MT/Day	****	****	****	****
Indexed		100	92	105	101
Productivity/employee	MT	****	****	****	****
Indexed		100	127	133	115
Productivity per Day - (Considering 350 days of production in a year)					

Productivity of the domestic industry has been measured in terms of its labour productivity of the output and it has been noticed that the productivity has improved because of increase in output and reduction in the workforce. The domestic industry has improved its productivity due to its policy of cost cutting measure and remain competitive. However, improved productivity has not resulted in commensurate profitability.

#### 38. Profits and actual and potential effects on the cash flow

It is noted that the profitability of the domestic industry has improved due to imposition of anti-dumping duty in two anti dumping investigations but again declined during the POI and went in loss from a profit during 2002-2003. The domestic industry has argued that the imposition of anti dumping duty enabled them to improve its performance and earned profits during 2002-03 after having losses in earlier years due to dumped imports. Though total revenue and cash flow of the domestic industry from its domestic operations has improved during 2002-2003, the domestic industry continues to suffer loss during the investigation period. The industry has not been able to realize a fair price to recover its cost due to prevailing price level of dumped imports. The cash profit of the domestic industry has declined significantly over the years and became negative during the POI after positive cash flow during the 2002-2003 due to the dumped imports from China PR and other transshipped countries.

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI
<b>Profits</b>					
Cost of Production	Rs./MT	****	****	****	****
Indexed		100	103	90	97
Selling Price	Rs./MT	****	****	****	****
Indexed		100	115	119	118
Profit/Loss	Rs. MT	****	****	****	****
Indexed		-100	-63	1	-31
Total Profit/Loss	Rs. Lacs	****	****	****	****
Indexed		-100	-46	34	-12

### 39. Employment and wages

The employment level has declined over the injury period. But the expenses on account of salary and wages have increased due to the normal wage revision. The domestic industry improved its productivity even after wage revision due to their effort and cost curtailment measure. However, increase in the expenses towards salary and wage is in tandem with the increase in production during the comparable periods.

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Employment					
No. of Employee		****	****	****	****
Indexed		100	73	79	87
Wages	Rs./Lakhs	****	****	****	****
Indexed		100	70	88	94

### 40. Return on investment and ability to raise capital

The return on investment during 2002-2003 was having a positive return on capital employed which became negative during the POI due to the dumped imports of subject goods from China PR. The domestic industry has argued that due to the imposition of anti-dumping duty the return on capital employed was improved upto 2002-2003 and again deteriorated during the POI.

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Return on Investments					
Gross Block	Rs./Lacs	****	****	****	****
Working Capital	Rs./Lacs	****	****	****	****
Capital Employed (total)	Rs./Lacs	****	****	****	****

Capital Employed Domestic	Rs./Lacs	****	****	****	****
Profit / Loss - Domestic Sales	Rs./Lacs	****	****	****	****
Return on Capital Employed	%	****	****	****	****
Trend	Indexed	-100	-49	40	-13

#### 41. Investment

There has been no capacity addition or any fresh investment by the applicants during the investigation period.

#### 42. Magnitude of Dumping

Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry shows that the dumping margin determined against China for the POI, is substantial, even when the antidumping duty is in force.

#### 43. Factors affecting prices

Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. There is no viable substitute to this product. Therefore, the dumped import prices appear to affect the prices of the domestic industry.

#### 44. Inventories

Particulars	Unit	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Inventories	MT	1199	454	475	664
Indexed		100	38	40	55

The domestic industry has been able to liquidate inventories with the imposition of anti dumping duty. However, the exports of the domestic industry rather than its domestic sales appear to have helped the domestic industry in inventory liquidation.

45. The examination of the above economic parameters indicate that though the domestic industry has improved its performance in several parameters including output and sale volumes, this has not translated into improvement in its profitability and the industry still suffers loss during the POI. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry continues to suffer material injury.

**F.5 Other Known factors and Causal Link****i) Volume and prices of imports from other sources**

46. Imports from other sources are either transshipped imports or at higher prices or di-minimis volume or such imports attracting anti-dumping duty. Therefore, these imports do not appear to have significant effect on the domestic industry, both in terms of volume and value. Therefore, volume and prices of imports from China appear to have more adverse effect on the domestic prices, significantly contributing to the current injury of the domestic industry than the imports from any other sources.

**ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

47. Total domestic demand of the product under consideration, after declining in 2001-2002 has increased substantially during the POI. The market share of domestic industry in total demand has declined from 100 during 2000-2001 to 86 during the POI whereas the market share of dumped imports from China has increased from 100 to 245 during the same corresponding period. There is no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market, which can be attributed to the injury to the domestic industry.

**iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

48. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. The performance of the domestic industry is directly linked to dumped imports in the market and no evidence regarding unfair competition between Indian producers was brought before the Authority. Therefore, the current injury to the domestic industry cannot be attributed to trade restrictive practices or competition between foreign and domestic producers.

**iv) Development of technology and export performance**

49. The technology for the production process of the subject goods has not undergone any significant development. Therefore, development of technology or inefficient method of production of the domestic industry cannot be treated as a cause of injury to the domestic industry. The export performance of the domestic industry was improved during the POI, therefore, possible deterioration in the export performance of the domestic industry could not be a cause of injury to the domestic industry.

v) **Productivity of the Domestic Industry**

50. Productivity of the domestic industry in terms of labour output and daily output has shown improvement. Therefore, productivity is not a factor which can be attributed to the injury of the domestic industry. In fact domestic industry has tried to reduce its losses in its domestic operation through improvement in productivity.

51. The above analysis of injury parameters and examination of non-attribution factors indicate that though there is improvement in several parameters in the performance of the domestic industry still they do continue to suffer material injury in terms of loss in market share, drop in profitability, cash loss, and price undercutting due to the dumped imports from the subject country.

**F.6 Determination of Non-injurious Price of the Domestic Industry**

52. Non-injurious Price for the subject goods has been worked out after a detailed analysis and scrutiny of information provided by the domestic industry. Weighted average Non-injurious price for the domestic industry has been determined by the Authority as Rs.22307/ Kg.

**F.7 Magnitude of Injury and injury margin**

53. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the weighted average landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin and the injury margins have been worked out to be positive.

**G. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY**

54. The Authority has already established that dumping is continuing from China in spite of the antidumping duty in force and the domestic industry continues to suffer material injury due to such dumped imports. Therefore, examination of the likelihood of recurrence of dumping and injury is not required. However, the Authority has examined the likelihood of continuation of dumping and injury in the event of withdrawal or variation in the duty.

55. The domestic industry has argued that the current state of the condition of the domestic industry is not the material fact for a review of this nature. They have submitted that the Authority is required to examine the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to arrive at a decision to continue or vary or remove the duty so as to offset dumping. The domestic industry in its submission has quoted the law and

practices and standards of reviews in several countries to highlight the fact that determination of likelihood of 'continuation or recurrence of dumping and injury' is vital in a review investigation. They have *inter alia* submitted:

- i) That the Chinese exporters are still dumping material in the Indian market.
- ii) That domestic industry is suffering continued injury due to dumped import from subject country and should the anti dumping duty be revoked, the injury to the domestic industry would recur or intensify.
- iii) That export price and landed price of imports from China has not materially changed over the years. In fact, it may have, at best, further declined in US \$ term after imposition of anti dumping duty;
- iv) That volume of dumped imports from subject country continued to increase even after the anti dumping duty in force. This clearly shows that the Chinese exporters could not sell in the Indian market without resorting to dumping. As regards subsequent increase in the import volumes, domestic industry understands and submits that large scale imports are being made taking undue advantage of duty free import exemptions granted by the Govt. of India and transshipment of subject goods are taking place;
- v) That the Chinese producers are holding significant surplus capacities and the demand in China is significantly below the capacities created by them. The available information provided by the domestic industry suggests that total Chinese production capacity for the product concerned is around 4,50,000 MT per year and the current Chinese production volume is only around 130, 000 MT. This estimation is based on the Chinese worldwide export volume given by the trade statistics (around 37,240 MT/year), and on a domestic consumption estimated at roughly just triple to the Indian consumption (around 92,000 MT/year). On this basis, the Chinese capacity utilisation rate is below 30% and the spare capacity is many times the Indian consumption. Consequently, the large production capacity available in China can result in these producers quickly increasing production and exporting the same in Indian market, in the event of possible revocation of anti dumping duty. It has been argued that China's production of over 1,30,000 Tonnes per year of the subject goods is far in excess of its domestic consumption and therefore, they have to be necessarily exported. Therefore, there is a great possibility that revocation of duty would lead to surge in imports and severe injury to the domestic industry.

56. The Authority has examined all these arguments. None of the interested parties except the domestic industry cooperated in this

investigation therefore Authority is constrained to analyse the parameters of the likelihood based on the information provided by the domestic industry. As per the website information filed by the domestic industry, the Chinese producers are having the production capacity to the tune of 450000 MT per year and the yearly production is estimated to be around 130000 MT. The domestic industry has also stated that the estimated domestic consumption is around 92000 MT per annum, therefore they have huge surplus capacity available in event of possible revocation of anti-dumping duty. Available information relating to exports of Sodium Nitrite from China to other countries suggests that exporters/producers from China are dumping sodium nitrite in the other countries also, therefore, revocation of duty would most likely lead to continuation of dumping.

57. The Authority notes that dumping is continuing in spite of the fact that duty is in force against China, and import volumes have considerably increased. Considering the extent of dumping margin and the volume of current imports as well as the volume of exports of Chinese exporters to other countries, the Authority holds that dumping may continue to occur if the duties are withdrawn.

58. As far as continuation or recurrence of injury to the domestic industry is concerned the Authority has examined the price levels at which the goods are entering into the Indian market from the subject country in spite of the duty in place. There is significant price undercutting and underselling by the Chinese exporters while the landed value of current imports without antidumping duty is compared with the net sales realization and non-injurious price of the domestic industry. There is no indication or argument from any interested parties that the price structure of imports from the subject country will change once the duty is revoked. On the contrary looking at the available surplus capacity and demand supply position in China, there is every likelihood that the price level may further depress causing further injury to the domestic industry, if the duty is revoked.

## I. CONCLUSIONS

59. After examining the submissions made by the domestic industry and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury the authority concludes that:

i) The subject goods have entered from China PR at less than its normal value and the dumping margin of the subject goods imported from China are substantial and above de minimis level;

- ii) There is also a likelihood of dumping to continue or recur from China if the anti dumping duty is revoked;
- iii) The domestic industry continues to suffer material injury at present and the cause of the current injury is due to the volume as well as price effect of the dumped imports from China PR;
- iv) Injury to domestic industry is likely to continue if the duties are revoked in respect of imports from China PR.
- v) Therefore, continued imposition of the antidumping duty is warranted against goods originating in or exported from China to offset dumping.
- vi) However, re-export or transshipment of goods of Chinese origin, if any will be adequately covered under the duty imposed against China.

#### **J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

60. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

#### **K. RECOMMENDATIONS**

61. In view of positive determination of continuation of dumping, injury and causal links as well as likelihood of continuation of dumping and injury on account of imports from China PR, the Authority is of the opinion that continuation of the measure is required concerning imports of subject goods from China. However, considering the current level of dumping from China and injury suffered by the domestic industry, the Authority is of the opinion that the measure in force needs to be revised. Therefore, Authority considers it necessary and recommends continuation of anti-dumping duty on imports of subject goods from Peoples Republic of China in the form and manner described hereunder.

62. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends continued imposition of definitive anti-dumping duty on imports of the subject goods originating in or exported from China PR, equal to lower of margin of dumping and the margin of injury, so as to offset dumping and remove the injury to the domestic industry. The Authority notes that the duty in the original investigation was imposed on reference price basis therefore, the Authority considers it appropriate to impose the

antidumping duty on reference price basis and accordingly, recommends imposition of definitive antidumping duty as difference between duty indicated in Col 9 of the table below and the landed value, to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from China.

#### **L. FURTHER PROCEDURES**

63. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

64. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. The Authority shall entertain no request for such a review unless an interested party within the time limit stipulated for this purpose files the same.

**Duty Table**

Sl. No.	Sub-Heading or Tariff item	Description of Goods	Specifi- cation	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure- ment	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
1.	2841.61	Sodium Nitrite	All Grades	China	Any	Any	Any	481	MT	US \$
2.	2841.61	Sodium Nitrite	All Grades	Any	China	Any	Any	481	MT	US \$

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority